# कमर दर्द (Backache)

कमर का दर्द एक आम समस्या है। यह 50 वर्ष के ऊपर देखी जाती है।

**कारण –** सामान्य कारण – मॉसपेशियों का दर्द ड़िस्क प्रोलेप्स आदि।

गंभीर कारण – टी.बी., कैंसर, ट्यूमर आदि।

अत्यधिक बड़ा ड़िस्क प्रोलेप्स जो नसों को दबाने लगे जिस कारण रोगी के पैर कमजोर हो जाये, पेशाब पर नियंत्रण चला जाये या अत्यंत तीव्र दर्द। निम्नलिखित परिस्थतियों में गंभीर कमर दर्द होने के संभावना बढ जाती है –

1. बुखार 2. बजन कम होना 3. कैंसर 4. चोट 5. लेटने से दर्द बढ जाये

6. शराब का सेबन करने से 7. उम्र 50 वर्ष के ऊपर 8. पैरों का कमजोर हो जाना

इन सभी परिस्थतियों में कमर का एम.आर.आई. होना अत्यंत आवश्यक है।

ऑपरेशन निम्नलिखित परिस्थतियों में कराया जाना चाहिये –

1. पैरों की मॉसपेशियों का कमजोर हो जाना

2. अत्यधिक तीव्र दर्द (जिसमें दवाइयों से आराम नहीं आ रहा हो)

**नस का दबना और एम.आर.आई. से तालमेल –** पैर में कमर से निम्नलिखित नसें जाती हैं। इन नसों के दबने से एक विशेष जगह दर्द, झुनझुनी तथा विशेष मॉसपेशियों कमजोर हो जाती है। एक विशेषज्ञ स्नायु परिक्षण करके यह पता लगाता है कि किस नस पर दबाब पड़ रहा है।

L1, L2, L3 इन नसों के दबने का दर्द जॉग में आगे की तरफ होता है तथा जॉघ की मॉसपेशियॉ कमजोर होती है।

L4, L5, S1 इन नसों के दबने का दर्द, झुनझुनी घुटने के नीचे तथा जॉघ के पीछे की तरफ होता है। इसी भाग की मॉसपेशियॉ भी कमजोर हो जाती है।

सियाटिका क्या होता है?

कमर की L4, L5, S1 नसों के दबने से चमक के साथ दर्द पैर तक जाता है। यह दर्द चलने से, खांसने से बड़ जाता है एवं यह अत्यंत तीव्र होता है। इस नस के दर्द को सियाटिका कहते हैं।

ऑपरेशन की पद्वति में सुधार आने से एक नस के दबने की सर्जरी में रोगी को 1 या 2 दिन के लिये ही अस्पताल में भर्ति किया जाता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हर रोगी को सर्जरी की जरूरत पड़ती है। 75 से 80 प्रतिशत रोगी बिना सर्जरी के ठीक हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण है कि जो डिस्क खिसक जाती है वह कुछ समय के बाद सिकुड़ जाती है, अपने आप सूख जाती है (Absorption)।